>

Title: Need to develop Nalanda as a International Tourist Centre and to set up National Museum and Library of international standard there.

श्री कौशलेन्द्र कुमार (नालंदा): अध्यक्ष महोदया, आपने मुझे शून्यकाल में बोलने का मौका दिया, इसके लिए मैं आपका आभारी हूं। नालंदा प्राचीन काल में बौद्धिक धर्म चिंतन का केंद्र था। यहीं पर नालंदा विश्वविद्यालय भी था। महात्मा बुद्ध के अनुयायी नालंदा में रह कर धर्म चिंतन एवं समाज सुधार का काम भी करते थे। प्राचीन नालंदा को बचाए रखने के लिए यहां एक अंतर्राष्ट्रीय म्यूजियम की आवश्यकता है। नालंदा में राष्ट्रीय पुस्तकालय की स्थापना करने की भी जरूरत है। नालंदा को अंतर्राष्ट्रीय पर्यटक स्थल के रूप में विकसित करने के लिए आईटीडीसी का कोई होटल नहीं है। अंतर्राष्ट्रीय पयर्टकों को यहां ठहराने के लिए आईटीडीसी होटल बनाने की आवश्यकता है। नालंदा में देश और विदेशों से बहुत से लोग आते हैं। मैं आपके माध्यम से सरकार से मांग करता हूं कि नालंदा में राष्ट्रीय पुस्तकालय, राष्ट्रीय म्यूजियम और आईटीडीसी होटल बनवाया जाए। धन्यवाद।